तापमान
अधिकतम 28.1 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 15 फरवरी 2026

10 निकिता की मौत के बाद मंत्री के सामने फूट-फूट ...

10 थानेसरः प्रभातफेरी में भजनों की गूंज से सारा ...

खबर संक्षेप

घर पर फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्तार

करनाल। घर पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआईए-1 इंचार्ज निरीक्षक संदीप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा उप निरीक्षक जयपाल की अध्यक्षता में की गई। पुलिस ने मामले में शामिल आरोपी गुरशेर सिंह निवासी सोंटा, अम्बाला तथा जसबीर सिंह निवासी चौहान कॉलोनी, राजपुरा, पटियाला को काबू किया है। वारदात में प्रयुक्त एक बाइक भी पुलिस ने बरामद कर ली है। जांच अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि 3/4 फरवरी 2026 की रात मोटरसाइकिल पर सवार कुछ अज्ञात बदमाशों ने फूसगढ़, करनाल स्थित उसके घर पर 3-4 राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। शहर के मीना बाजार से युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की एक कालोनी निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की शहर के मीना बाजार में काम करती है। 12 फरवरी को उसकी लड़की सुबह 10 बजे काम पर गई थी मगर शाम सात बजे तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को दीपक नामक युवक शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

नशा तस्करी में संलिप्त दूसरा आरोपी गिरफ्तार

करनाल। नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने नशा तस्करी के आरोपी विनोद निवासी वाल्मीकि बस्ती, घरौंडा, करनाल को काबू किया गया। मामले में पहले आरोपी के अन्य साथी मोहित डाबला निवासी धोबी घाट चांद सराय, थाना शहर,करनाल को काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 25 ग्राम स्मैक नशीला पदार्थ बरामद की गई। जिसके विरुद्ध थाना शहर,करनाल में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया कर एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह इस नशीले पदार्थ को उसके अन्य साथी पवन से खरीदकर आगे बचने के लिए लाया था।

पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर ठगे 9.24 लाख

यमुनानगर। साइबर ठगों ने यूको बैंक का कर्मचारी बनकर पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर छछरौली निवासी तनवीर इकबाल से नौ लाख 24 हजार रुपये ठग लिए।।जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव छछरौली निवासी तनवीर इकबाल ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह आठ फरवरी को अपने घर पर मौजूद था। इस दौरान उसके मोबाइल के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले व्यक्ति ने खुद को यूको बैंक का कर्मचारी बताया। यदि उसे पेंशन कार्ड बनवाना है तो वह उनसे संपर्क कर सकता है। आरोपियों ने उसे झासे में लेकर नौ लाख 24 हजार रुपये ठग लिए।

अंबाला: पांच आरोपी पकड़े, नेपाल जाकर बेचते थे चोरी के फोन

ट्रेनों से मोबाइल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

जीआरपी और आरपीएफ टीम को मिली बड़ी सफलता

दो आरोपियों को लिया रिमांड पर , फोन चोरी की 40 वारदातें दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

जीआरपी और आरपीएफ टीम ने ट्रेनों में मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने इस मामले में उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले पांच युवकों को पकड़ा है। आरोपियों की पहचान गोंडा के संत कुमार, प्रवेश इटावा के अभिषेक, अमेठी के रमन, व बागेश्वर के नरेंद्र के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 8 महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपी चोरी के एंड्रॉयड फोन को सीमा पार नेपाल में ले जाकर बेचते थे ताकि ट्रैकिंग से बचा जा सके। आईफोन लॉक होने के कारण आरोपी उन्हें खोलकर उनके कीमती पुर्जों (डिस्प्ले, कैमरा, बैटरी) की सप्लाई करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने यह बताया कि आईफोन को ट्रेस करना बेहद आसान होता है, इसलिए वो यह फोन चोरी नहीं करते, अगर चोरी करते भी हैं तो इनके कल-पुर्जे को अलग-अलग करके बेचते हैं ताकि फोन ट्रेस ही न हो सके।

चोरी के 40 मोबाइलों में से 20 मिल चुके

जीआरपी थाने से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पिछले वर्ष जनवरी से लेकर दिसंबर 2025 तक लगभग 40 मामले मोबाइल चोरी के दर्ज किए गए। इसमें स्मार्टफोन के अलावा आईफोन से जुड़े लगभग दस मामले भी शामिल हैं। इनमें से 20 फोन मिल चुके हैं। पुलिस का कहना है अंतरराज्यीय गिरोह से गहनता से पूछताछ की जा रही है। कौन कौन लोग गिरोह में शामिल है पुलिस तह तक जाएगी और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करेगी।

आरोपियों से तीन मोबाइल बरामद

आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने 9 फरवरी को कैंट रेलवे स्टेशन से एक मोबाइल चोर को काबू किया था। उसके कब्जे से तीन मोबाइल बरामद किए गए थे। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लेकर जब पूछताछ की गई तो उसने अंतरराज्यीय गिरोह की जानकारी दी, जिसके तार नेपाल से जुड़े हुए थे। इसके बाद सुरक्षा टीम ने बिहार सहित यूपी के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर अभिषेक, रमन, प्रवेश और नरेंद्र को गिरफ्तार किया। तीन आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है जबकि प्रवेश व नरेंद्र को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों की धरपकड़ और चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी हो सके। पूछताछ में बताया कि वो कैंट रेलवे स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों में रात 10 बजे से सुबह चार बजे के बीच चोरी करते थे। इस दौरान वो ट्रेन के एसी कोच में दाखिल होते थे और फिर सॉकेट में लगे मोबाइल या फिर सीट पर रखे मोबाइल को चोरी करके फरार हो जाते थे। इस दौरान वो चोरी किए मोबाइल को तुरंत बंद कर देते थे और फिर इसे दिल्ली में दूसरे साथी को देते थे ताकि वो नेपाल में जाकर इन्हें बेच सके।

मोबाइल की दुकान में चोरी, आरोपी काबू

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने बरसत रोड नूरवाला अड्डा पर मोबाइल दुकान से मोबाइल फोन व नकदी चोरी करने के आरोपी सन्नी पुत्र रामनिवास निवासी जसबीर कालोनी पानीपत को बरसत रोड पर कृपाल आश्रम के पास से गिरफ्तार किया। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि मोबाइल दुकान में चोरी की उक्त वारदात बारे थाना तहसील कैंप में अशोक नगर, तहसील कैंप निवासी सन्नी पुत्र रमेश की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं पुलिस ने आरोपी सन्नी के कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल फोन सैट बरामद कए हैं। जबकि इसके फरार साथ चोरी के आरोपी कृष्णा को भी पुलिस जल्द गिरफ्तार करेगी।

यमुनानगर। पुलिस हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश करने ले जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

दो साल से फरार चल रहा हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर की गोल्डन पुरी निवासी अजय की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी यूपी के फैजाबाद निवासी अमित को पुलिस ने देर शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को शांति कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है ताकि आरोपी से वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार बरामद किए जा सकें। डीएसपी जगाधरी राजीव मिगलानी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि 21 मार्च 2024 को गोल्डन पुरी निवासी अजय की हत्या की गई थी। अजय बिहार के मोहितारी का रहने वाला था जो गोल्डनपुर में रहता था। यह हत्या यूपी के फैजाबाद निवासी अमित व दो महिलाओं ने मिलकर की थी। इस मामले में दो महिलाएं पहले गिरफ्तार हो चुकी हैं। इस मामले में आरोपी अमित फरार चल रहा था। जिसे टीम ने गिरफ्तार कर लिया। इसी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

मृतक ने की थी दूसरी शादी

मृतक अजय की पत्नी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पति अजय ने दूसरी शादी कर ली थी और उसके साथ वह बिहार रहने लग गया था। वह बार-बार उसे भी बिहार में जाकर रहने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन वह बिहार नहीं जाना चाहती थी। इस बारे उसने अपनी सहेली से बात की। इसके बाद उसकी सहेली ने उसे अमित से मिलवाया था।

माल लोड कर जगाधरी जा रहा था, लाडवा में इंद्री रोड पर हादसा

अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ा कैंटर, ड्राइवर की जान गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

लाडवा में इंद्री रोड पर अनियंत्रित होकर एक कैंटर डिवाइडर पर चढ़ गया। इस हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई। ड्राइवर कैंटर लेकर पानीपत से जगाधरी की तरफ जा रहा था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। मृतक की पहचान 48 वर्षीय बलवान सिंह निवासी सेक्टर-4 करनाल के रूप में हुई। बलवान सिंह कैंटर चलाता था और करीब 5 साल से श्रीराम रोड लाइन ट्रांसपोर्ट पर नौकरी कर रहा था। बलवान सिंह अपने 4 भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

बलवान अपनी पीछे पत्नी, बेटा रितिक और बेटी रितू को छोड़ गया। करनाल के सेक्टर-4 निवासी बनारसी दास ने पुलिस को बताया कि उसका छोटे भाई बलवान सिंह ने शुक्रवार रात को पानीपत की पेप्सी कंपनी से माल लोड किया। अगले दिन यानी 14 फरवरी की सुबह जगाधरी में माल उतारने के लिए निकला था। रास्ते में लाडवा-इंद्री रोड पर हनुमान मंदिर के पास कैंटर का बैलेंस अचानक बिगड़ गया। गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई, जिससे बलवान को सीने में गंभीर चोट लगी। मौके पर पहुंची पुलिस की गाड़ी ने उसे कैंटर से निकालकर तुरंत सरकारी अस्पताल लाडवा पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके भाई को मृत घोषित कर दिया। मृतक बलवान सिंह मूल रूप से जिला कैथल के गांव बाता का रहने वाला था।

भ्रूण लिंग जांच में पकड़े गए तीनों आरोपियों को जेल भेजा

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज भ्रूण जांच मामले में महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। मामले में संलिप्त आरोपी मोहित व रोहित गांव टुंडला के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इसी मामले में संलिप्त आरोपी महिला को भी को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। चिकित्सा अधिकारी सिविल सर्जन ने 12 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी मोहित, रोहित व अन्य ने जगाधरी गेट के पास अल्ट्रासाउंड केंद्र में गैर कानूनी लिंग जांच करवाने में पकड़े गए थे।

भारतीय किसान संघ ने समस्याओं से संबंधित मांग पत्र कृषि मंत्री को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

भारतीय किसान संघ द्वारा शनिवार को किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को मांगपत्र सौंपा गया। मौके पर संघ के प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान मुख्य रूप से मौजूद थे। उन्होंने मांग पत्र में कहा गया कि दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हर गांव में खरीद एजेंसी का प्रावधान हो और दूध का दाम 100 रुपये प्रति लिटर किया जाए। किसान को देसी गांव का सिमन उपलब्ध करवाया जाये। किसान देसी गाय के सिमन उपलब्ध न होने के कारण विदेशी गोवंश का सिमन प्रयोग कर रहा है। जैविक खेती करने वाले किसानों को विशेष लाभ देकर उसका मनोबल बढ़ाया जाये। राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के साथ साथ पानी की निकासी का भी प्रबंध किया जाए। ताकि किसानों को

जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। गुमथला-यमुनानगर वाया खजूरी सड़क मार्ग पर बरम नहीं है। सड़क के दोनो ओर टाइले लगाई जाए, जिससे सड़क मार्ग चौड़ा हो सके। जिस कारण दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान, प्रताप सिंह खजूरी प्रदेश उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश राणा, सुरेश राणा आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्रः 106 ग्राम अफीम सहित सप्लायर गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सप्लाई नेटवर्क से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने मुख्य सप्लायर जगजीत सिंह उर्फ बाबू निवासी दबखेड़ी, जिला कुरुक्षेत्र को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 12 फरवरी को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक गुरबक्श व टीम जिंदल चौक क्षेत्र में गश्त पर थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सुशील कुमार निवासी जोगनाखेड़ा को देवीलाल पार्क के पास मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 106 ग्राम अफीम बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

42 वारदात करने वाला चोर काबू 9.50 लाख के जेवरात बरामद

अंबाला। पुलिस की सीआईए टू यूनिट ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जो बार बार चोरी करके आमजन व पुलिस के लिए परेशानी बना हुआ था। आरोपी के कब्जे से लगभग 6 तोले सोना और 240 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। बरामद संपत्ति की बाजारी कीमत करीब 9.50 लाख रुपए आंकी गई है। इस गिरफ्तारी से थाना महेश नगर क्षेत्र की चोरी की 5 वारदातों की गुत्थी सुलझ गई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अकेले महेश नगर इलाके में ही 12 वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी का आपराधिक इतिहास बेहद चौकाने वाला है। उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी के करीब 42 मामले दर्ज हैं।आरोपी चोरी के दौरान अपनी पहचान छिपाने के लिए बेहद सावधानी बरतता था। वह मुंह छिपाकर और हाथों में दस्ताने पहनकर चोरी करता था ताकि सीसीटीवी कैमरों में न पहचाना जा सके। न ही उसके उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट्स) मिलें। पहले ही 8 मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके थे।

अकेले महेश नगर इलाके में ही 12 वारदातों को दे चुका है अंजाम

जमाई ने सास की एफडी तुड़वा की 29 लाख रुपये की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

बुजुर्ग महिला के साथ उसके जमाई ने 29 लाख रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने अपनी सास की एफडी तुड़वाकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आरोपी अपनी पत्नी के साथ सास के पास ही रहता है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जमाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। कुरुक्षेत्र की रहने वाली कुलवंत कौर ने पुलिस को बताया कि वह अनपढ़ है और सिर्फ साइन करना जानती है। उसकी 4 बेटियां हैं, कोई बेटा नहीं है। सबसे बड़ी बेटी की शादी 21 दिसंबर 2009 को मनजोत सिंह से हुई थी। 2019 में उसके पति अमेरिका चले गए थे, तब से बेटी और जमाई उसके साथ ही रहते हैं। साल 2017 में उसके जमाई का ज्योति नगर वाला घर बाढ़ से प्रभावित हुआ। उसने घर बेचकर नया घर मॉडल टाउन में खरीदा। पुराना घर 60-65 लाख में बिका, नया 80-85 लाख में खरीदा। बाकी रुपए उसने अपनी बचत, रिश्तेदारों से उधार और जमीन पर लोन लेकर दिए। उसके जमाई ने सारे पैसे वापस करने का वादा किया, लेकिन एक रुपया भी नहीं लौटाया। कुलवंत कौर ने बताया कि उसने इंडसइंड बैंक पिपली ब्रांच में 22 जुलाई 2020 को 29 लाख रुपये की एफडी करवाई थी।

घर में घुसकर महिला को पीटकर घायल किया

यमुनानगर। शहर की रूपनगर कॉलोनी बाड़ी माजरा में कहासुनी होने पर घर में घुसकर महिला को पीट कर घायल कर दिया। घायल महिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीन महिलाओं समेत चार के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। रूपनगर कॉलोनी बाड़ी माजरा निवासी सन्नो देवी ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी कुछ दिन पहले गांव खारवन निवासी मीना के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया। मगर इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे थे।

त्योहारः कांवड़ियों का जगह-जगह भव्य स्वागत, फूलों की वर्षा

मंदिरों में ओम नमः शिवाय का अखंड पाठ भी शुरू

महाशिवरात्रि पर सजे शिवालय, चहुंओर हर-हर बम-बम भोले की जयकारे गूंजे, रात 12 बजे से जलाभिषेक शुरू

कुरुक्षेत्र। फूलों से सजा श्रीदुखभंजन महादेव मंदिर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शिवभक्तों की तैयारियां चरम पर हैं। पर्व की पूर्व संध्या पर शनिवार को शहर के मंदिर साफ-सफाई के बाद रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिए गए। शहर समेत ग्रामीण अंचल के शिवालयों पर ओम नमः शिवाय का अखंड पाठ भी शुरू हो गया है। रविवार को अलसुबह से ही शिवालयों में जलाभिषेक शुरू हो जाएगा। शिव भक्त महाशिवरात्रि को लेकर उत्साहित हैं। मंदिरों की साफ-सफाई के बाद रंग-बिरंगी झालर और लाइटों से सजाया गया है। महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ रविवार को मनाया जाएगा। जिलेभर के मंदिरों में पर्व की पूर्व संध्या पर तैयारियां चलती रहीं। शहरी और कस्बाई इलाकों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्रद्धा भक्ति का माहौल है। श्रद्धालु उपवास रखेंगे और भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। दिनभर कांवड़ यात्रा जारी रही, शिवभक्तों का डीजे पर खूब धमाल देखने को मिला। महाशिवरात्रि को लेकर कांवड़ियों में विशेष उत्साह देखा गया। गंगा घाटों से गंगाजल भरकर वे अपनी कांवड़ लेकर भोले भंडारी के भजन गाते चले जा रहे थे। डीजे पर थिरकते भी दिखे। कांवड़िए जगह-जगह लगाए गए पंडालों में विश्राम करते भी देखे गए। कांवड़िएं के रास्तों पर कैंप लगाए गए हैं जहां उनके खान-पान, विश्राम आदि की व्यवस्था की गई है। कस्बाई इलाकों में भी उत्साह का माहौल है।

भगवान शिव की पूजा ऐसे करें

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा में बिल्वपत्र का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बिना बिल्वपत्र के शिव पूजा अधूरी मानी जाती है। इस दिन शिवलिंग पर बिल्वपत्र, धतूरा, फूल, धूप और दीप अर्पित किए जाते हैं। साथ ही रुद्राभिषेक में दूध, दही, घी, मधु और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है।

विदेशी लेन-देन विवाद में फायरिंग, दो गिरफ्तार

- तीन फरवरी को ब्यूटी पार्लर संचालक के घर पर चलाई थी गोलियां, बाइक और हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

शहर में 3 फरवरी की रात ब्यूटी पार्लर संचालक के घर पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के पीछे विदेश में रहने वाले व्यक्ति से आर्थिक लेन-देन का विवाद जुड़ा हो सकता है। घटना के समय घर में संचालक की मां और पत्नी मौजूद थीं। अचानक हुई गोलीबारी से परिवार और आसपास के लोग दहशत में आ गए। पुलिस ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू की थी। जांच अधिकारी ने बताया कि वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों में एक व्यक्ति रेकी करने वाला बताया जा रहा है, जबकि दूसरा गोली चलाने में शामिल था। दोनों को अदालत में पेश कर एक आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि दूसरे को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की कड़ियां विदेश तक जुड़ी हो सकती हैं।

खबर संक्षेप

7 को होगा सनातन वेद महोत्सव का आयोजन

रादौर। आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 मार्च को दो दिवसीय सनातन वेद महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आर्य समाज रादौर के प्रचार मंत्री अमित काम्बोज ने बताया कि 7 व 8 मार्च को आर्य समाज भवन में कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में भजनोपदेशक व आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान अपने विचार रखेंगे। 2 दिनो तक चलने वाले इस कार्यक्रम में युवा क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत प्रख्यात राष्ट्रीय चिंतक व आर्यवीर स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज जयपुर राजस्थान मुख्य रूप से मौजूद होंगे।

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन : चौहान

नीलोखेड़ी। प्रत्येक जिले में विकसित अमृत सरोवर सतत देखरेख के अभाव में पुनः उपेक्षित जोहड़ न बन जाएं, इसके लिए अधिकारियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होगी। यह विचार हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर व्यक्त किए।

नगरपालिका की बैठक में विकास कार्यों के लिए बजट पेश किया

रादौर कस्बे में विकास कार्यों पर खर्च होंगे 26 करोड़ रुपये: मेहता

चौक का नाम स्वामी दयानंद सरस्वती के नाम पर रखा

नपा चेयरमैन ने की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। आयोजित बैठक में भाग लेते पार्षद व अन्य। फोटो : हरिभूमि

नगरपालिका रादौर के पार्षदों की बैठक नपा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता ने की। मौके पर नपा सचिव सुरेंद्र मलिक मौजूद रहे।

नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता ने बताया कि पार्षदों की बैठक में सबसे पहले 26 करोड रुपयेका वार्षिक बजट पेश किया गया। जिससे रादौर का विकास होगा। वहीं बैठक में वार्ड नंबर-2 में पुल के पास स्थित चौक का नाम स्वामी दयानंद सरस्वती के नाम पर रखा गया। कस्बा में अस्पताल के पास स्थित बस्ती का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर नगर रखा गया। वाल्मीकि बस्ती का नाम महर्षि वाल्मीकि नगर, नहर पुल से अग्रसेन चौक तक के मार्ग का नाम आर्य समाज मार्ग, गुरू नानक चौक से घेसपुर चुंगी तक के सड़क मार्ग का नाम जाहरवीर गोगा माडी मार्ग, गुरू नानक चौक से सरकारी स्कूल पावर हाउस होते हुए जठलाना रोड तक के सड़क का नाम माता गुजरी मार्ग, एक्सचेंज रोड का नाम शिवाजी मार्ग, पटाक माजरी का नाम संत रविदास नगर, बुबका रोड का नाम शहीद उधम सिंह मार्ग रखा गया। बैठक में रादौर के मेन बाजार व अन्य बाजारों में सड़को पर फैंसी लाइटे लगाए जाने को मंजूरी दी गई। वहीं, शहर के एसके रोड के डिवाइडरो पर भी फैंसी लाइटें लगवाई जाएंगी। रादौर में बेसहारा पशुओं को पकडने के लिए ठेका दिया जाएगा। पकड़े जाने वाले पशुओं को गऊशाला में भिजवाया जाएगा। रादौर के दोनो पार्कों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। वहीं, रादौर के छोटबांस में स्थित कम्यूनिटी सेंटर में देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा लगाई जाएगी। मौके पर बैठक में नागरिकों के विरोध के चलते कस्बा के कमेटी चौक के पास नपा की ओर से बनाए जाने वाले सार्वजनिक शौचालय की योजना को रद्द कर दिया गया।

बैठक में ये पार्षद रहे मौजूद

इस अवसर पर सचिव सुरेंद्र मलिक,पार्षद भगवतदयाल कटारिया, पार्षद जसवंत सिंह, पार्षद राजीव आर्य सब्नी, पार्षद ऋषिपाल नंबरदार, पार्षद रविंद्र सैनी, देवेंद्र सैनी, विनिश राणा, संदीप कुमार छोटाबांस, अमनदीप छोटाबांस, रंजीत सिंह, मोंटी नामदेव, सुदेश सैनी व सुशील बत्रा आदि मौजूद रहे।

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को दी क्लाउड टेक्नोलॉजी की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में शनिवार को माइक्रोसॉफ्ट एज्योर क्लाउड कंप्यूटिंग विषय पर 5 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप के माध्यम से छात्रों को क्लाउड टेक्नोलॉजी, वर्चुअल मशीन, डिप्लॉयमेंट मॉडल्स तथा माइक्रोसॉफ्ट एज्योर के वास्तविक अनुप्रयोगों का प्रायोगिक अनुभव प्रदान किया गया। ताकि वे इंडस्ट्री आधारित क्लाउड स्किल्स के लिए तैयार हो सकें। कार्यक्रम का संचालन शालिनी गुप्ता द्वारा किया गया। जिन्होंने क्लाउड फंडामेंटल्सए एज्योर सर्विसेज, सिक्योरिटी व डिप्लॉयमेंट स्ट्रेटेजीज पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उनके मार्गदर्शन में छात्रों ने क्लाउड सॉल्यूशन्स के प्रैक्टिकल इम्प्लीमेंटेशन और आईटी सेक्टर में क्लाउड प्रोफेशनल्स की बढ़ती मांग को समझा। यह पहल छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई। जिससे उनके तकनीकी ज्ञान औश्र उभरती क्लाउड टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।

स्किल के लिए किया प्रेरित

इस अवसर अवसर पर डॉ. एसके गर्ग डायरेक्टर जेएमआईटी रादौर ने इस पहल की सराहना करते हुए छात्रों को ऐसे स्किल आधारित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

रास्ता नहीं मिला तो करेंगे आंदोलन

धरना-प्रदर्शन स्थल पर किसानों और अधिकारियों की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। गांव पोटली के नजदीक चल रहे धरना स्थल पर अधिकारियों को मांग पत्र सौंपते हुए भाकियू के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारतीय किसान यूनियन द्वारा गांव पोटली में रास्ते की मांग को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन स्थल पर किसानों व एएचएआई अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष रतनमान व जिला अध्यक्ष सुभाष गुज्जर मौजूद रहे।

यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुज्जर ने बताया कि पिछले कई महीने से पोटली के नजदीक किसानों द्वारा नेशनल हाईवे पर खेतों में जाने के लिए रास्ते की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए शनिवार को धरना स्थल पर एनएचएआई अधिकारियों के साथ भाकियू के नेताओं और किसानों की बैठक हुई। मौके पर किसानों ने रास्ते की मांग को लेकर एनएचएआई अधिकारियों को मांग पत्र सौंपा। भाकियू के जिला अध्यक्ष सुभाष गुज्जर ने बताया कि बैठक में एनएचएआई की ओर से साइट इंजीनियर अंकुश कांबोज, साइट इंजीनियर विक्रम व रेजिडेंट इंजीनियर मोहित ने किसानों की मांगों को गंभीरता से सुना व संबंधित दस्तावेज एकत्रित किए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसानों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और मांगों की समीक्षा कर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

ये रहे मौजूद

मौके पर भाकियू के प्रदेश संगठन सचिव श्याम सिंह मान, महेंद्र चमरोड़ी, दीप राणा, अरविंद कांबोज, यादविंदर कांबोज, हरपाल सुढल, साहिल सेतिया, कुलविंदर सिंद्धू, धर्मवीर अमलोहा, सुरेश सांगवान, सुभाष हरतोल, अशोक डांगी, मनमोहन सिंह, राजबीर, पवन गोयल व कर्ण चानना आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि महत्वपूर्ण पर्व: अंजू बाजपई

यमुनानगर। उत्थान संस्थान की कोशिश ईकाई में दिव्यांग बच्चों द्वारा महा शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में पूजा अर्चना की गई। जिसमे उत्थान संस्थान की डायरेक्टर डॉक्टर अंजू बाजपई और शिक्षाविद डॉक्टर पी के बाजपई के सान्निध्य में सभी बच्चों ने शिवलिंग पर जल ,फूल फल अर्पित कर शिव आरती की। शिक्षाविद डॉक्टर पी के बाजपई ने कहा कि सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व सबसे महत्वपूर्ण पर्व में से एक है। इस दिन आदिदेव महादेव की विधिवत पूजा अर्चना करने से भक्तों की सभी मुरादें पूरी होती है तथा जीवन में आने वाले कष्टों का निवारण होता है और अकाल मृत्यु का भय खत्म होता है। भगवान शिव को भोलेनाथ कहा जाता है, क्योंकि वे सरल और दयालु स्वभाव के हैं। यह पर्व हमें सच्चाई, संयम और भक्ति का संदेश देता है।यह आयोजन इन बच्चो को समाज में समानता का अनुभव कराता हैं और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देता हैं। खुशियां सांझा करने का उद्देश्य उनके जीवन में खुशी और सकारात्मकता लाना है। उत्थान संस्थान की डॉयरेक्टर डॉक्टर अंजु बाजपाई ने सभी बच्चों को महा शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य रविंद्र मिश्रा, स्वाति ठाकुर, सुमित सोनी, हनी तोमर,राजेश,दीपा और सनी आदि मौजूद रहे।

लंबित कार्यों को पूरा करें: डीसी

विकास कार्यों को लेकर बैठक में किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। निगम अधिकारियों की आयोजित बैठक में दिशा निर्देश देते हुए उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

ट्विन सिटी (यमुनानगर-जगाधरी) में विकास कार्यों को गति देने और जन शिकायतों के समयबद्ध समाधान को लेकर नगर निगम अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उपायुक्त प्रीति ने बैठक में शहर में चल रहे निर्माणाधीन विकास कार्यों, टेंडर अलॉट होने के बावजूद शुरू न हो पाए कार्यों व शुरू होकर बीच में बंद पड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने वार्ड वाइज हर सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता से जवाब मांगे। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि बारिश के सीजन में विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न न हो। इसलिए सभी निर्माणाधीन और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो एजेंसियां या ठेकेदार निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं कर रहे हैं। उनके विरुद्ध नियमानुसार नोटिस जारी किए जाएं। मौके पर उन्होंने अभियंता शाखा के अधिकारियों से सभी वार्डों में अमृत योजनाए डी प्लान व सीएम अनाउंसमेंट के तहत शहर में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। शहर के बड़े प्रोजेक्ट ओपन एयर थिएटर एवं ऑडिटोरियम, जिमखाना क्लब रोड, गोविंदपुरी रोड व वर्कशॉप रोड का सौंदर्यीकरण की अपडेट ली।

ये रहे मौजूद

मौके पर ट्रेनी आईएएस सुमन, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक व कार्यकारी अभियंता नरेंद्र सुहाग आदि मौजूद रहे।

पुलवामा के शहीदों को किया नमन

यमुनानगर। जिले में शनिवार को विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर पुलवामा हमले में शहीद हुए 44 जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। -आप ने पुष्प अर्पित कर पुलवामा के शहीदों को किया नमन शनिवार सुबह आम आदमी पार्टी के विस नेता ललित त्यागी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर पुलवामा हमले के शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। मौके पर आप कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन धारण किया। पार्टी के वरिष्ठ विस नेता ललित त्यागी ने कहा कि आज ही के दिन 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ की बस पर आत्मघाती हमले में हमारे 44 जवान शहीद हो गए थे। जिनकी याद में आम आदमी पार्टी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया है। विस नेता ललित त्यागी ने कहा कि जवानों को शहीद हुए इतना समय बीत गया है मगर आज तक पुलवामा अटैक में प्रयोग किया गया तीन सौ किलोग्राम आरडीएक्स भारत में कैसे आया है। राष्ट्रीय जन चेतना मंच ने मनाया बलिदान दिवस राष्ट्रीय जन चेतना मंच द्वारा शहर के कैंप में कार्यक्रम आयोजित कर पुलवामा हमले में हुए शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। मौके पर मंच के सदस्यों ने शहीदों की याद में दीप व मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को नमन किया।कार्यक्रम के तहत संगठन से जुड़े लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मंच के राजबीर, सुखजीत सिंह, जयपाल, महेंद्र आदि ने दो मिनट का मौन रखा और शहीदों को पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सरकार किसान हित में चला रही कई योजनाएं

- संरक्षित खेती अपनाने वाले किसानों को 50 से 85 प्रतिशत तक अनुदान मिल रहा : मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। स्थित कार्यक्रम में संबोधित करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

बागवानी विभाग की ओर से खंड रादौर के त्रिवेणी गार्डन में एकीकृत बागवानी मिशन के तहत जिला स्तरीय बागवानी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस बागवानी सेमिनार में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बागवानी, मधुमक्खी पालन और टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। किसान-हित में योजनाएं बनाई जा रही हैं। सेमिनार में उद्यान विभाग द्वारा लगाई गई विभिन्न प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अनेकों योजनाएं चलाई है, जिनका लाभ किसानों को प्रत्यक्ष रूप में मिल भी रहा है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हजारों एकड़ क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के माध्यम से सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है। संरक्षित खेती अपनाने वाले किसानों को 50 से 85 प्रतिशत तक अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि बागवानी क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन हेतु उत्कृष्टता केंद्रों सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना में भी हरियाणा देश में अग्रणी है। इसके अतिरिक्त हरियाणा भावांतर भरपाई योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। इन दूरदर्शी और किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ानेए कृषि को लाभकारी बनाने और राज्य को कृषि नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में कर रही है।

योजना का लाभ उठाएं

सेमिनार में उद्यान विभाग के निदेशक अर्जुन सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार ने बागवानी क्षेत्र में अनेकों योजनाएं चलाई है और इन योजनाओं के तहत बागवानी अपनाने वाले किसानों को अनुदान राशि भी उपलब्ध करवाई जा रही है। बागवानी के तहत किसान बाग लगाने विभिन्न प्रकार की सब्जी उगाएं मधुमक्खी पालन आदि अनेकों प्रकार की उत्पाद तैयार कर सकते हैं।

स्थापना दिवस पर रोटरी क्लब 23 को लगाएगा रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

अंतराष्टीय रोटरी क्लब के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह रक्तदान शिविर 23 फरवरी को ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित होगा।

जानकारी देते हुए क्लब के प्रधान सरदार हरजीत सिंह सैनी व सचिव भारत माटिया ने बताया कि 23 फरवरी 1905 में अंतराष्टीय रोटरी क्लब की अमेरिका में 4 दोस्तों द्वारा समाज सेवा करने के लिए स्थापना की गई थी। तब से रोटरी क्लब 121 वर्षो से दुनिया के 200 से अधिक देशों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। प्रधान ने बताया कि क्लब से लाखों की संख्या में सदस्य जुड़े हुए है। अमेरिका के बाद रोटरी क्लब के भारत में सबसे अधिक सदस्य है। दुनिया में कहीं भी मानवता पर संकट आता है तो रोटरी क्लब आगे बढ़कर मदद के लिए तैयार रहती है। महामारी के दौर में रोटरी क्लब ने दुनिया के हर देश में अपनी सेवाएं प्रदान की। रक्तदान शिविर का आयोजन प्रोजेक्ट चेयरमैन भारत माटिया, अमित अग्रवाल, डॉ. शुभम सलुजा, डॉ. सुदेश बंसल, मलखान सिंह की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

23 फरवरी 1905 को हुई थी रोटरी क्लब की स्थापना

किसी ने भेंट किया फूल तो किसी ने होटल में करवाया अपनी वेलेंटाइन को मनपसंद लंच

प्रशासन के कड़े इंतजामों के बावजूद युवाओं ने उत्साह से मनाया वेलेंटाइन-डे

पुलिस की नजर से बचकर अपनी वेलेंटाइन को फूल भेंट किए

- महंगे गिफ्ट भेंटकर भी कुछ युवाओं ने अपनी वेलेंटाइन को खुश करने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। में वेलेंटाइन-डे के अवसर दुकानदार द्वारा अपनी दुकान पर आकर्षक रुप से सजाए गए विभिन्न प्रकार के फूल व शहर के एक पार्क में बैठकर बातचीत करते हुए प्रेमी युवा। फोटो : हरिभूमि

वर्ष भर से इंतजार कर रहे युवाओं ने शनिवार को वेलेंटाइन-डे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान अधिकांश युवाओं ने अपनी वेलेंटाइन को फूल भेंट कर प्यार का इजहार किया। वहीं, कई युवा जोड़ों ने होटलों में लंच किया तो किसी ने धार्मिक स्थानों पर जाकर माथा टेककर एक दूसरे की लंबी उम्र और सुख शांति की कामना की। वहीं, युवा जोड़े होटलों में चाय की चुस्की लगाते हुए पार्कों में बैठकर बातचीत करते हुए भी देखे गए। प्रशासन ने किए थे कड़े इंतजाम शनिवार को वेलेंटाइन-डे के अवसर पर प्रशासन द्वारा दिन भर पार्कों समेत अन्य स्थलों पर कड़ी नजर रखी गई। मगर इसके बावजूद युवा प्रेमियों ने फूल विक्रेताओं से फूल खरीदे और पुलिस की नजर से बचकर अपनी वेलेंटाइन को फूल भेंटकर अपने प्रेम का इजहार किया। कई युवा प्रेमियों ने होटलों में चाय व नाश्ता और लंच आदि करके अपनी वेलेंटाइन के साथ काफी समय बिताया। हालांकि पुलिस ने दिन भर युवाओं पर कड़ी नजर रखी।

अधिकांश प्रेमी जोड़े मंदिरों में भी पहुंचे

वेलेंटाइन-डे के अवसर पर खास बात यह रही कि अधिकांश प्रेमी जोड़े मंदिरों में भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूजा अर्चना की और एक दूसरे के लिए लंबी उम्र, सुख शांति व अपने प्रेम को परवान चढ़ाने के लिए मन्नत मांगी। देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे विशाल का कहना था कि उसने अपनी वेलेंटाइन को मंदिर में ही बुलाकर फूल भेंट किया। उसका कहना था कि मंदिर में पहुंचकर उन्होंने पूजा अर्चना की और एक दूसरे के दिल की बात कही। इसी तरह संजय व रोहित ने अपनी वेलेंटाइन को मिलने के लिए भाटली के शिव मंदिर में बुलाया और उन्होंने माथा टेककर प्रभु से अपने लिए सुख समृद्धि की कामना की।

फूल विक्रेताओं ने अच्छा खासा मुनाफा कमाया

उन्होंने अपनी-अपनी वेलेंटाइन को गुलाब का फूल भेंट किया। उधर, वेलेंटाइन-डे पर फूल विक्रेताओं ने भी अच्छे दामों पर फूल बेचकर अच्छा खासा मुनाफा कमाया।

बिना ई रवाना के पाए जाने वाले खनिज वाहन पर करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए आयोजित प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में दिशा निर्देश देते हुए उपायुक्त प्रीति।

जिले में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए लघु सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने अधिकारियों को बिना ई रवाना के पाए जाने वाले खनिज वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि जिला में अवैध खनन तथा खनिज के अवैध परिवहन को लेकर सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

खनन विभाग के अलावा जिला टास्क फोर्स से जुड़े विभागों के अधिकारी भी इस अभियान में पुलिस की सहायता से लगातार फील्ड में कड़ी निगरानी कर रहे हैं। उपायुक्त प्रीति ने ने बताया कि माईनस ट्रेकिंग ऐप के माध्यम से जिले में लगे सभी नाकों पर 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला में यदि कोई खनिज वाहन बिना ई रवाना के पाया जाता है तो उसे तुरंत कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई करें। मौके पर उपायुक्त प्रीति ने निर्देश दिए कि सभी अपने अपने कार्य क्षेत्र में स्वयं अथवा अपने सहायक कर्मचारियों के माध्यम से नियमित निरीक्षण करें।

अधिकारी होंगे जिम्मेदार: उपायुक्त

उपायुक्त प्रीति ने बताया कि यदि किसी भी अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में किसी भी जगह पर अवैध खनन अथवा स्वीकृत स्थलों के अलावा अन्य स्थानों पर खनन की गतिविधि पाई जाती है और इसकी सूचना संबंधित एसडीएम जगाधरी, व्यासपुर, रादौर, छछरौली, खनन अधिकारी, उपायुक्त कार्यालय में नहीं दी गई तो इसके लिए संबंधित क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी, सरपंच व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

महाशिवरात्रि पर आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का संगम

- ब्रह्माकुमारीज सेंटर खिजरपुरा में कार्यक्रम, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ब्रह्माकुमारीज सेवा सैंटर खिजरपुरा में शिवरात्रि पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद कुरुक्षेत्र की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में पधारी। उन्होंने सभी को शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए संस्था द्वारा किए जा रहे समाजसेवा और आध्यात्मिक जागरूकता के कार्यों की सराहना की। उन्होंने माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय की अपनी यात्रा के अनुभव भी साझा किए और वहां के शांतिमय वातावरण की प्रशंसा की।

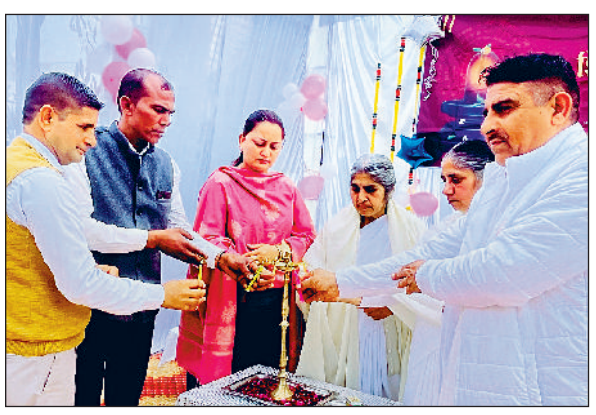

कुरुक्षेत्र। दीप प्रज्जवलित करती जिला परिषद कुरुक्षेत्र की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर

राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया

विश्व शांति धाम सेवा केंद्र, कुरुक्षेत्र की इंचार्ज राजयोगिनी सरोज बहन ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय कलयुग का दौर है, जहां चारों ओर विकार और अशांति बढ़ रही है। ऐसे समय में आध्यात्मिक जागृति ही मानव जीवन को दिशा दे सकती है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। इस अवसर पर बींके रघुबीर, सुरेश, दिलबाग, मंडल अध्यक्ष बाबूराम, मनजीत, राजबाला, सुशीला सहित खिजरपुरा, कामोदा, मैंसीमाजरा और मौर सैदां से आए सैकड़ों बहन भाई मौजूद रहे।

किड्स प्लेनेट प्रेम स्कूल में मनाया पर्व

कुरुक्षेत्र। किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल में महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की पावन प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण से किया गया। इस अवसर पर कक्षा 7 के विद्यार्थी हर्षदीप ने भगवान शिव का स्वरूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुति को अभिभावकों एवं शिक्षकों ने खूब सराहा। विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक की अभिभावक-शिक्षक बैठक का भी सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, उपस्थिति एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की। शिक्षकों द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति रिपोर्ट साझा की गई तथा बेहतर परिणामों हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक के दौरान नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, गृहकार्य की पूर्णता एवं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया।

पिहोवा। नवदंपतियों को आशीर्वाद देते संत महात्मा व अन्य गणमान्यजन।

10 कन्याओं का करवाया सामूहिक विवाह

पिहोवा। संगमेश्वर मंदिर सेवादल की ओर से जरूरतमंद परिवारों की 10 लड़कियों की सामूहिक शादियां करवाई गई। मंदिर के सचिव एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के महंत विश्वनाथ गिरी ने नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी के सानिध्य में संस्था समाजिक कार्यों के लिए सदैव अग्रणी है। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास और महाशिवरात्रि पर बेटियों की शादी एवं मेडिकल शिविर लगाया जाता है। जानकारी देते हुए सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि सभी कन्याओं को घर बसाने के लिए जरूरी सामान दिया गया। जिसमें गहने, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सिलाई मशीन अलमारी बेड और कपड़े सहित कई जरूरी सामान शामिल किए गए। सेवादल प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर विशाल मेला लगाया जाएगा।

खबर संक्षेप

प्रथम हिंदू सम्मेलन में दिया सामाजिक एकता का संदेश

कुरुक्षेत्र। सेक्टर-30 स्थित पार्क एक में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रथम हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन के अंतर्गत समरसता यज्ञ, मातृ-पितृ पूजन, संतों के प्रवचन तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 30 के प्रधान एवं कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर केवल कृष्ण ने सभी अतिथियों का स्वागत एवंअभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला सेवा प्रमुख बलवीर सिंह व पूज्य संत वासुदेवानंद महाराज ने हिंदुत्व विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

योगासन खेल संघ के कार्यकर्ताओं की बैठक

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र योगासन खेल संघ के कार्यकर्ताओं की एक बैठक का आयोजन गीता ज्ञान संस्थानम में किया गया जिसकी अध्यक्षता योगासन भारत के राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ जयदीप आर्य ने की। कुरुक्षेत्र योगासन खेल संघ की नवनियुक्त टीम में सर्वसम्मति से मार्गदर्शक मंडल में हरियाणा योग आयोग के सदस्य एवं भारतीय योग संस्थान हरियाणा के पूर्व संगठन मंत्री डॉ मनीश कुकरेजा व कुरुक्षेत्र योगासन खेल संघ के पूर्व कार्यकारी प्रधान राजेंद्र भारद्वाज को दायित्व सौंपा गया। प्रधान पद के लिए निरुपमा भट्टी, उपप्रधान के लिए बृज मोहन, विशाल आर्य व सरिता रोशा, सचिव पद के लिए राजेश चौहान, सहसचिव पद के लिए कमल, दीक्षा व हरप्रीत सिंह, कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रमोद, तकनीकी निदेशक हेतु राजेश कुमार, संगठन सचिव के लिए जगतार सिंह, संपर्क प्रमुख के रूप में दीपक गाबा व सह संपर्क प्रमुख के रूप में मोना वर्मा को नामित किया।

अखिल भारतीय अंतर विवि कबड्डी प्रतियोगिता में ऐतिहासिक विजय

धर्मशाला में गूंजा केयू का दम, महिला कबड्डी टीम ने रचा स्वर्णिम इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और जज्बा मिल जाए तो विजय निश्चित होती है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश में 9 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय को 39-36 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, जहां प्रत्येक अंक के लिए कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंततः कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बेटियों ने संयम, सटीक रणनीति और आत्मविश्वास के बल पर जीत अपने नाम की और विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ह्लये बेटियां देश का नाम रोशन करेंगी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की छात्राएं खेल जगत में उत्कृष्टता की नई मिसाल स्थापित कर रही हैं। आने वाले वर्षों में ये खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व कर भारत का गौरव बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की अथक मेहनत, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम है। यह विजय हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है जो खेल के मैदान में अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती है। खेल निदेशक प्रोफेसर दिनेश राणा ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय कुलगुरु के मार्गदर्शन और खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। महिला खिलाड़ियों की फिटनेस, आत्मविश्वास और जज्बे की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ये युवा खिलाड़ी भविष्य की विजेता हैं और देश को इनसे नई आशाएं हैं। इस अवसर पर खेल परिषद के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशिक्षक राजेश कुमार राजौंद, परिषद के पूर्व अध्यक्ष नितिन, कबड्डी टीम के प्रशिक्षक संदीप करोड़ा तथा जोगिंदर नंबरदार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए इस उपलब्धि को हरियाणा की खेल परंपरा के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की इस ऐतिहासिक जीत ने पूरे हरियाणा का मान बढ़ाया है।

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को बधाई देते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा।

केयू जनसंचार के वासु और नमन ने राष्ट्रीय एआई आइडल प्रतियोगिता में लहराया परचम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में अटल संचार भवन स्थित जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने की। इस अवसर पर एम.ए. जनसंचार प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों वासु और नमन को विशेष रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दोनों विद्यार्थियों ने नई दिल्ली में आयोजित नौवें संस्करण के रेडियो फेस्टिवल 2026 के अंतर्गत राष्ट्रीय एआई आइडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप तैयार करना है। ऐसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और उन्हें नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। यह प्रतियोगिता भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के सी.डी. देशमुख ऑडिटोरियम में आयोजित की गई थी। वासु की एआई आधारित लघु फिल्म सिंचाई की राह तथा नमन की फिल्म नवचेतन ने सामाजिक बदलाव के लिए एआई छात्र वीडियो प्रतियोगिता श्रेणी में जीत हासिल की। दोनों फिल्मों का विषय कृषि आधारित नवाचार और तकनीक के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण रहा।

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया।

अंतर-विवि हैंडबॉल पुरुष प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

एस.डी. कॉलेज अंबाला कैंट ने जीता स्वर्ण पदक

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के खेल निदेशालय द्वारा 12 से 14 फरवरी 2026 तक अंतर-महाविद्यालय हैंडबॉल पुरुष प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल निदेशक डॉ. दिनेश राणा ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे और दर्शकों ने खिलाड़ियों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में एस.डी. कॉलेज, अंबाला कैंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। एस.ए. जैन कॉलेज, अंबाला सिटी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि एम.एन. कॉलेज, शाहाबाद ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

खिलाड़ियों को दी बधाई

टूर्नामेंट के दौरान अंतर-विश्वविद्यालय हैंडबॉल पुरुष चैंपियनशिप के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन भी किया गया। चयनित खिलाड़ी संगरूर और पटियाला में आयोजित होने वाली चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। डॉ. दिनेश राणा ने सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व खेल परिषद अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र, खेल परिषद के दो बार अध्यक्ष रहे डॉ. नितिन सहगल, वॉलीबॉल कोच राजेश तथा हैंडबॉल कोच कपिल कुमार, सुनील, अमरप्रीत और आशीष की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने विधायकों को सौंपा ज्ञापन

पेंशन बहाली संघर्ष समिति कुरुक्षेत्र ने राज्यकार्यकारिणी के निर्देशानुसार सभी विधायकों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में जिला कार्यकारिणी कुरुक्षेत्र ने थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा को एवं पिहोवा विधायक मनदीप चठ्ठा को उनके कार्यालय में पहुंचकर उन्हें मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान नरेश फूले ने विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि आज जिला कार्यकारिणी कुरुक्षेत्र मौजूदा विधायकों को ज्ञापन सौंप रही है और और साथ ही अपील कर रही है कि आने वाले विधानसभा सत्र जोकि 20 फरवरी से शुरू हो रहा है में हरियाणा के कर्मचारियों की एकमात्र मांग पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को जोर-शोर से उठाएं ताकि कर्मचारियों को उनकी सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य सेवा सुरक्षा हेतु पुरानी पेंशन मिल सके। राज्य कार्यकारिणी सदस्य डॉ मोनिका भारद्वाज ने कहा कि आज हम ज्ञापन के माध्यम से सरकार से मांग करते हैं कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन को तत्काल बहाल करें।

श्रीकृष्ण कथा से पूर्व निकाली भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 16 से 22 फरवरी को सायं 6 से रात्रि 9 बजे तक हुडा ग्राउंड, नजदीक सेक्टर-10 मार्किट कुरुक्षेत्र में 7 दिवसीय श्रीकृष्ण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके प्रचार-प्रसार हेतु संस्थान द्वारा शनिवार को धर्मनगरी में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें भक्तों ने प्रभु की महिमा का गुणगान किया। क्षेत्र निवासियो ने इस कलश यात्रा में उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी की। कलश यात्रा का शुभारंभ नगर परिषद थानेसर की निवर्तमान चेयरपर्सन उमा सुधा ने किया। इस अवसर पर श्रीगुलजारी लाल नंदा केन्द्र की निदेशिका प्रो. शुचिस्मिता भी विशेष तौर पर मौजूद रही। उमा सुधा ने कहा कि मातृशक्ति द्वारा सिर पर कलश धारण कर निकाली गई यह शोभायात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और आध्यात्मिक जागरण का संदेश भी है। हमारी संस्कृति की जड़ें जितनी गहरी होंगी, समाज उतना ही सशक्त और संगठित बनेगा। ऐसे पावन आयोजनों से समाज में सद्भाव, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को नई दिशा मिलती है। संस्थान के स्वामी गुरुज्ञानंद ने कहा कि आज सारा संसार दुःखों के भयंकर बादलों में फंसता जा रहा है। इन दुःखों का कारण हमारे संत महापुरूष हमें समझाते हुए कहते हैं कि जब हम एक पल के लिए भी ईश्वर को भूल जाते हैं, तो हमारा जीवन दुःखों की भयंकर आग में जलता है।

कुरुक्षेत्र। कलश यात्रा में शामिल नगर परिषद थानेसर की निवर्तमान चेयरपर्सन उमा सुधा व अन्य।

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में अध्यापकों के लिए हुई फाइनेंशियल एजुकेशन कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र में सी.बी.एस.ई. द्वारा आचार्यों के प्रशिक्षण हेतु फाइनेंशियल एजुकेशन (वित्तीय शिक्षा) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वित्तीय प्रबंधन, बचत, निवेश, कर-योजना तथा डिजिटल बैंकिंग से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त बनें, बल्कि विद्यार्थियों को भी सही दिशा-निर्देशन दे सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। इस अवसर पर आचार्यों को प्रशिक्षित करने हेतु विषय विशेषज्ञ डॉ. सुनील त्रिपाठी, कैरियर काउंसलर एवं वित्तीय सलाहकार उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता द्वारा पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से वित्तीय योजना, बीमा, पेंशन योजनाएँ, आयकर प्रबंधन तथा डिजिटल भुगतान की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। अंत में विद्यालय के प्राचार्य नारायण सिंह ने मुख्य वक्ता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है, इसलिए उसका आर्थिक रूप से जागरूक होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम | भूतपूर्व सैनिकों ने पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

वीर जवानों की शहादत सदैव हमारे दिलों में जिंदा : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जहां लोग वेलंटाइन डे मना रहे हैं वहीं भूतपूर्व सैनिकों ने कुरुक्षेत्र शहीद स्मारक पर पुलवामा में शहीद हुए अपने जांबाज सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर और भारत माता के नारे लगाकर व अपने साथियों के अमर बलिदान के लिए जयघोष लगाया। सूबेदार मेजर रविन्द्र कौशिक व सूबेदार गुलजार सिंह ने पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। सूबेदार आरआर शर्मा ने अपने साथियों के साथ पुष्प अर्पित किए। सूबेदार मेजर रविन्द्र कौशिक ने कहा कि सैनिक कभी नहीं मरते वे सदैव हमारे दिलों में अमर रहते हैं।

कुरुक्षेत्र। शहीदों को श्रद्धांजलि देते भूतपूर्व सैनिक।

युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी ताकत

उन्होंने सभी युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी ताकत है उन्हें अपने देश के प्रति समर्पण और प्रेम का भाव रखना चाहिए। विदेशों की तरफ भागमभाग में आज का युवा देशभक्ति को कहीं न कहीं खो रहा है। तिरंगे से बढ़कर कोई कफन नहीं बस ये जरूर याद रखें। इस अवसर पर कैप्टन गुरमेल सिंह, वेद प्रकाश, रोशन लाल और अन्य साथियों ने भी पुष्प अर्पित कर अपने सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीदों के बलिदान को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह गोल्डी ने कहा कि पुलवामा हमले में शहीद हुए हमारे देश के वीर जवानों की शहादत को हम कभी भुला नहीं सकते। 14 फरवरी 2019 का वह दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत पीड़ादायक और भावुक क्षण के रूप में दर्ज है, जब हमारे बहादुर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, साहस और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा। कोर्ट कॉम्प्लेक्स चौंक के समीप शहीदी स्मारक पर भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए और पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं ने शहीदी स्मारक के चारों ओर झाड़ू लगाकर साफ सफाई की। कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र गोल्डी, मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला, मार्किट कमेटी के पूर्व चेयरमैन गुरनाम मलिक, युधिष्ठिर बहल, रामधारी शर्मा, मंडल महामंत्री गुलशन शर्मा, गांव धनीरामपुरा के सरपंच विकल कुमार चौबे, राकेश पुरोहित, डॉ. सतीश सैनी, पार्षद जयपाल कौशिक, प्रधान जेपी मेहला, रॉकी शर्मा, नौतन शर्मा, मनजीत सिंह चुनिया फार्म अन्य शामिल हुए।

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों ने योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया

शहजादपुर। राजकीय महाविद्यालय की तीनों एनएसएस इकाइयों द्वारा ग्राम कुलडपुर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन की शुरुआत प्रातःकालीन प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने एनएसएस गीत प्रस्तुत किया और योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन सत्र का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रार्थना डॉ. सुमन लता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार रहे। ग्राम कुलड़पुर की सरपंच परमजीत कौर एवं ग्राम के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई। मंच संचालन एनएसएस स्वयंसेवक खुशदीप एवं शायना द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

लाभकारी फसलों को अपनाने को किया प्रेरित

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की तरफ से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने हेतू राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गांव रच्छेडी में जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अतंर्गत फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने हेतू एक भव्य किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-2 वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

गांजा तस्करी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने बीते रोज सूचना के आधार पर अंबाला छावनी के बंदरी वाला मंदिर से आरोपी को भारी मात्रा में नशीला पदार्थ सहित काबू किया था। पकड़े गए आरोपी प्रमोद जयसवाल के कब्जे से 5 किलो 444 ग्राम पदार्थ गाजा बरामद किया गया था इसी मामले में अब जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य आरोपी मुमताज वासी गांव सीमराही बाजार बिहार को गिरफ्तार किया है।
सीआईए-2 प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। उन्होंने बताया कि आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर 01 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

विदेशी नागरिक का बैग चोरी, मामला दर्ज

अंबाला। हिमाचल प्रदेश के वाकनाघाट से ट्रेन पकड़ने आए एक जांबिया मूल के छात्र का छावनी के रेलवे स्टेशन पर बैग चोरी हो गया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जॉर्ज म्वीने के मुताबिक बैग में कीमती सामान, कपड़े और जांबियाई पासपोर्ट भी था। विदेशी छात्र ने जीआरपी को दी शिकायत में बताया कि वो सोलन जिले के वाकनाघाट में रहता है। उसे 20 जनवरी को सुबह 8 बजे दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरनी थी। हिमाचल से अंबाला पहुंचने के बाद वह ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पर पहुंचा था। इस दौरान चोरों ने उसका बैग चोरी कर लिया। बैग में जांबियाई पासपोर्ट के अलावा ग्रीन नेशनल जांबियाई पहचान पत्र, पॉवरबैंक, कपड़े और जूते रखे थे। पीड़ित ने घटना की शुरुआती सूचना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दी थी जहां जीरो एफआईआर दर्ज की गई। चूंकि वारदात अंबाला कैंट क्षेत्र की थी इसलिए अब इसे जीआरपी थाना अंबाला कैंट को स्थानांतरित कर दिया गया है।

शिव मंदिर से 50 हजार की नकदी चोरी

अंबाला। नूरपुर गांव के शिव मंदिर व गोगामाडी में चोरी हो गई। शातिर चोर गल्ले तोड़कर 40 से 50 हजार रुपये की नकदी व मंदिर का सामान चोरी कर भाग गए। चोरों ने 9 फरवरी की रात वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मंदिर की देखरेख करने वाले शीशपाल की शिकायत पर तीन से चार अज्ञात युवक पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। चोर मंदिर की सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

आरोप: नशे में धुत हेडकांस्टेबल को बचाती रही पुलिस

निकिता की मौत के बाद मंत्री के सामने फूट-फूटकर रोया परिवार

एसपी को शराब पीकर कार चलाने वाले हेडकांस्टेबल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस करवाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हादसे में जान गंवाने वाली 24 वर्षीय निकिता बजाज के परिजनों ने शनिवार को मंत्री अनिल विज से मुलाकात की। इस दौरान निकिता की मां व दूसरे परिजन मंत्री के सामने फूट-फूट कर रोए। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी को कार से कुचलने वाले आरोपी पुलिस जवान को कुछ देर में ही जमानत मिल गई। अंबाला शहर के करतार नगर की रहने वाली निकिता की मां के आंसू देखकर मंत्री विज ने एसपी अजीत शेखावत से फोन पर बात की। उन्होंने आरोपी पुलिस कर्मी के खिलाफ गैर इरादत हत्या की धारा लगाने के आदेश दिए। आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने नशे में होंडा सिटी कार चलाते हुए ई-रिक्शा को टक्कर मार दी थी। इसी हादसे में निकिता की जान चली गई। गुरुग्राम में जॉब करने वाली निकित ई-रिक्शा से गिर गई थी। इसके बाद कार उसके ऊपर से गुजर गई। तब भीड़ ने हेड कांस्टेबल को पकड़ कर उसकी जमकर धुनाई की थी। बेटी की मौत पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया था।

अंबाला। पीड़ित परिवार से बातचीत करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन

24 वर्षीय निकिता अंबाला शहर के करतार नगर की रहने वाली थीं। एयर हॉस्टेस का कोर्स करने के बाद वह गुरुग्राम की मैक्स इंटरनेशनल कंपनी में नौकरी कर रही थीं। परिजनों के अनुसार वह हाल ही में अंबाला आई थीं। परिवार में शादी का माहौल था, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को शोक में डूबो दिया परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी पुलिसकर्मी नशे में था और पुलिस उसे बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मांग की कि आरोपी का मेडिकल परीक्षण निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराया जाए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आरोपी हेड कांस्टेबल के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इन शिकायतों पर भी निर्देश दिए

मंत्री अनिल विज को सुंदर नगर से आई महिला ने शिकायत देते आरोप लगाया कि उसने अपना प्लाट एक व्यक्ति को बेचा था, मगर व्यक्ति ने कुछ राशि दी जबकि शेष 2.80 लाख रुपए की राशि वह व्यक्ति उसे नहीं दे रहा है। इस मामले में मंत्री अनिल विज ने पड़ाव थाना पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। बोहे से आए युवक ने शिकायत देते हुए कहा कि उसे एक एजेंट ने यूरोप भेजने का झांसा दिया था। एजेंट ने कहा था कि वह तीन यूरोप के तीन देशों का वीजा लगवा सकता है। इसकी एवज में उसने लगभग 6 लाख रुपए की राशि एजेंट को दी। मगर इसके बाद न तो उसे यूरोप भेजा गया न ही वीजा लगा। उसने बताया एजेंट ने उसे कुछ राशि लौटाई मगर अब भी 4.86 लाख रुपए की राशि एजेंट द्वारा उसे अब तक नहीं दी गई है।

हेड़कांस्टेबल पर हो ठोस कार्रवाई

मंत्री अनिल विज ने मुलाकात के दौरान एसपी अजीत सिंह शेखावत को फोन किया। कहा कि एसपी साहब शराब के नशे में गाड़ी चलाकर युवती को कुचलने वाले हेडकांस्टेबल के खिलाफ ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की? उसे इतनी जल्दी जमानत कैसे मिल गई? धाराएं कमजोर लगाई हैं इसलिए उसे जमानत मिल गई है? एसपी को कहा कि सारा परिवार मेरे यहां खड़ा हुआ है... ये कह रहे हैं कि हमारे साथ इंसाफ नहीं हुआ। विज ने कहा कि जब ये एसएचओ कह रहा है कि उसने शराब पी रखी है, उसकी रिपोर्ट में भी आ गया। इसके बाद विज ने परिवार को एसपी के पास भेज दिया। बता दें कि हादसा 11 फरवरी देर शाम काली पलटन पुल के पास हुआ। बलदेव नगर चौकी में तैनात ईएचसी अमित कुमार अपनी होंडा सिटी कार से कैंट से सिटी की ओर जा रहा था। गुरुग्राम में बड़ी कंपनी में काम करने वाली निकिता एक शादी में शामिल होने अपने घर आई थी। निकिता ई-रिक्शा में भाई हर्ष के साथ बैठकर जा रही थी। ई-रिक्शा में कुल चार सवारियां थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद निकिता सड़क पर गिर गई और कार का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया।

हरियाणा वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियां पोर्टल पर अपलोड

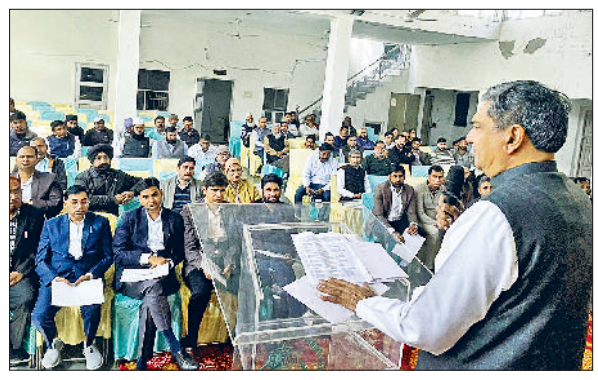

अंबाला। मुख्यालय में आयोजित सभा को संबोधित करते चौधरी जाकिर हुसैन।

- बोर्ड की ओर से समय से पहले काम पूरा करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हरियाणा वक्फ बोर्ड मुख्यालय में शनिवार को हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक व पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें वक्फ बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य वक्फ एक्ट 2025 के तहत किए गए प्रावधान के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए उम्मीद पोर्टल पर हरियाणा वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों को अपलोड करना था। वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद शाईन के मार्गदर्शन में बोर्ड के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा दिन-रात मेहनत करके समय से पूर्व ही इन सम्पत्तियों को पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किए गया यह एक अभूतपूर्व व सराहनीय कार्य रहा। प्रशासक ने इस कार्य से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी को सम्मानित करने के लिए मुख्यालय में एक सभा का आयोजन किया। इन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

सीएम का जताया आभार

प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा वक्फ बोर्ड को सुचारू रूप से चलाने में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का आशीर्वाद मिला। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बोर्ड बहुत शानदार तरीके से चल रहा है। इसके लिए उन्होंने मनोहर लाल व सीएम नायब सिंह सैनी का आभार जताया। हुसैन ने सरकार के आला अधिकारियों का भी आभार जताते कहा कि उनका भी पूरा सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र वितरित किए गए। उल्लेखनीय हैं कि हरियाणा वक्फ बोर्ड को अपनी सभी संपत्तियों को अपलोड करने के लिए 6 माह का समय दिया गया था।

दस एकड़ में बनेगा खेल स्टेडियम 28 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार

- उगाड़ा बाड़ा के साथ आसपास के गांवों के युवाओं को मिलेंगी शानदार खेल सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला सदर नगर परिषद की ओर से उगाड़ा-बड़ा क्षेत्र में एक आधुनिक खेल स्टेडियम के निर्माण की कार्रवाई शुरू हो गई है। करीब 27.93 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। खेल स्टेडियम के लिए लगभग 10 एकड़ की जगह नगर परिषद के अधीन पड़ी हुई है। इस जगह पर पहले गोशाला के निर्माण की योजना थी लेकिन बाद में इसे खेल मैदान में परिवर्तित करने का खाका तैयार किया गया। प्रोजेक्ट के लिए नियुक्त कंसल्टेंट ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट नगर परिषद को सौंप दी है। फिलहाल प्रशासन के उच्चाधिकारियों द्वारा इस रिपोर्ट की बारीकी से जांच की जा रही है। तकनीकी पहलुओं और बजट के प्रावधानों को परखने के बाद इसे अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा।

खिलाड़ियों को मिलेंगी सुविधाएं

इस खेल स्टेडियम बनने से क्षेत्र के गांवों और शहरी इलाकों के युवाओं को लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। नगर परिषद के अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट अंबाला सदर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डीपीआर की जांच प्रक्रिया पूरी होते ही काम में तेजी लाई जाएगी, ताकि जल्द से जल्द खिलाड़ियों को यह सौगात मिल सके। कार्यकारी देवेंद्र नरवाल ने बताया कि उगाड़ा-बाड़ा में बनने वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को लेकर डीपीआर तैयार हो गई है। अब तकनीकी पहलुओं और बजट के प्रावधान पर मंथन चल रहा है, जल्द ही इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा।

विद्यार्थियों ने आकर्षक-ज्ञानवर्धक मॉडल बनाए

- श्री विश्वकर्मा हाई स्कूल में मातृ-पितृ पूजन दिवस पर किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

श्री विश्वकर्मा हाई स्कूल सोहाना में शनिवार को मातृ-पितृ पूजन दिवस एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों तथा माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करना था। इस अवसर पर बच्चों ने अपने माता-पिता का तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर सम्मान किया। भावुक माहौल में कई अभिभावक अपने बच्चों के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से अभिभूत नजर आए। इसी के साथ विद्यालय परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था। अभिभावकों ने मॉडलों का अवलोकन कर बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

बराड़ा। अपने माता-पिता का सम्मान करते स्कूली बच्चे।

स्टाफ का आभार जताया

विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम धीमान ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस बच्चों को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का एक सुंदर माध्यम है। बताया कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को मंच मिला है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रधानाचार्या ने समस्त शिक्षकगण और गैर-शिक्षण स्टाफ का आभार व्यक्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कैथल। राजकीय स्कूल सोंगल के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृष्ण प्रजापति।

कम्युनिकेशन स्किल्स अत्यंत आवश्यक

कैथल। पीएम श्री रावमावि सौंगल में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें युवा पत्रकार कृष्ण प्रजापति ने छात्र-छात्राओं से रूबरू होकर वर्तमान समय में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज के डिजिटल दौर में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण सूचना का प्रवाह पहले से अधिक तेज और व्यापक हो गया है। उन्होंने मीडिया के प्रकारों, उसकी जिम्मेदारियों और समाज में उसकी सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला। कृष्ण ने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद क्षमता न केवल शैक्षणिक जीवन में बल्कि भविष्य के करियर निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

थानेसरः प्रभातफेरी में भजनों की गूंज से सारा वातावरण भक्ति रस में डूबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ थानेसर

होली के उपलक्ष्य में श्रीकृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति द्वारा सेक्टर 8 हाऊसिंग बोर्ड में सतपाल राम एडवोकेट के निवास स्थान पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के आयोजक परिवार से सतपाल राम, शीला रानी, खुशी कुमारी, पारूल कुमारी, विजय सिंह सहित वेदपाल, नरेश कुमार, तरविन्द्रजीत सिंह, गुरमेश सिंह, बलवान सिंह, शमशेर सिंह, संजीव जंगम, आर्यन तथा समिति के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। आयोजकों की ओर से प्रभात फेरी की बड़ी सुंदर व्यवस्था की गई थी। होली खेलनी ए आज तेरे नाल वृन्दावन रहन वालेया...जैसे भजनों का श्रद्धालुओं ने खूब आनंद उठाया और ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने जमकर नाचे। भजनों की गूंज से सारा वातावरण भक्ति रस में डूब गया। ठाकुर जी की आरती के साथ प्रभात फेरी संपन्न हुई। आयोजक परिवार को समिति के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

थानेसर। प्रभातफेरी के आयोजक सतपाल राम के परिजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए समिति के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पीडब्लयूडी विश्राम गृह में लोगों से रूबरू होते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

विधायक ने रैली स्थल का लिया जायजा

उचाना। हाइवे स्थिति उचाना की अतिरिक्त अनाज मंडी में 18 फरवरी को सीएम नायब सिंह सैनी धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित करने आ रहे है। रैली के आयोजक विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री रैली को सफल बनाने के लिए कमान संभाले है। रैली की तैयारियों का जायजा लेने वाले रैली स्थल पर भी पहुंचे। वो मीटिंग कर रहे है तो सरपंचों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, युवाओं के साथ आमजन से सुझाव जो मांग पत्र तैयार होगा उसको लेकर मांग रहे है। प्रशासन पूरी तैयारियों में जुटा है। साफ-सफाई साथ अन्य सुविधाओं का प्रबंधन किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी दौरे निरंतर कर रहे है। पत्रकार वार्ता में विधायक दावा किया कि ये दिन उचाना के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। ये रैली इतिहास बनाने का काम करेगी ये पूरा विश्वास है।

मुख्य बाजारों से होकर निकली शोभायात्रा, फूल बरसा कर किया अभिनंदन

महाशिवरात्रि : भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

माजरा में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की शोभायात्रा भोलेनाथ के जयकारों के साथ धूमधाम से निकाली गई। यह शोभायात्रा भोलेनाथ की बारात के रूप में निकाली गई। कस्बा में भक्तों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा करके स्वागत किया।शोभायात्रा में बाहर से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सुंदर सुंदर झांकियों ने सबका मन मोह लिया। राधाकृष्ण मंदिर से भगवान भोलेनाथ की शोभायात्रा पूजा-अर्चना के बाद शुरू हुई। शोभायात्रा में शामिल पालकी में भगवान भोलेनाथ के प्रतीक शिवलिंग को लेकर भक्त चल रहे थे। जगह-जगह भक्तों ने पालकी पर पुष्प वर्षा करके भोलेनाथ का स्वागत किया और साथ ही कस्बा में जगह जगह प्रशाद भी वितरित किया गया। शोभायात्रा में बाहर से आये कलाकारों ने भोलेनाथ के परिवार व सेना के स्वरूप मनमोहक प्रस्तुतियां दे रहे दी। इस दौरान श्रद्धालु भोलेनाथ के भजनों नंदी पर होकर सवार शिव जी चले गोरा ब्याहने, आओ महिमा गाएं भोलेनाथ की भक्ति में खो जाएं। बारात के मुख्यबाजार में पहुंचने पर शिव विवाह का दृश्य भी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। शोभायात्रा शहजादपुर व माजरा के मुख्य बाजर व विभिन्न मार्गों से होती हुई वापिस राधाकृष्ण मंदिर पहुंची। इस दौरान सैंकड़ों श्रद्धालु साथ थे। कस्बे में जगह जगह प्रसाद वितरित किया।

शहजादपुर। शोभायात्रा के दौरान करतब दिखाते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम का आयोजन

अंबाला। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर कुरड़ी वाले महाराज के सानिध्य में निराकार परब्रह्म ओंकार स्वरूप 1008 शिवलिंगों की स्थापना के भूमि-पूजन के अवसर पर आयोजित यह यात्रा 15 फरवरी 2026 को श्री शिव-शक्ति ओंकार दरबार, हाउसिंग रोड, आर्मी एरिया से प्रारंभ होगी। ओंकार दरबार के अध्यक्ष स्वामी संदीप ओंकार ने बताया कि रूद्रावतार संत महर्षि दुर्वासा-आत्मा कुरडी वाले महाराज श्रीजी के पावन सानिध्य में आयोजित इस यात्रा का संचालन समाजसेवी अंजली डीके बंसल के संयोजन में किया जाएगा। बताया कि यह रथयात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी और श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के रंग में सराबोर करेगी। रथयात्रा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की सुसज्जित झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठेगा। उन्होंने बताया कि 1008 शिवलिंगों की स्थापना का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना और जनकल्याण की भावना को सशक्त बनाना है। कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और साधना का संदेश देने वाला पावन अवसर है।

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

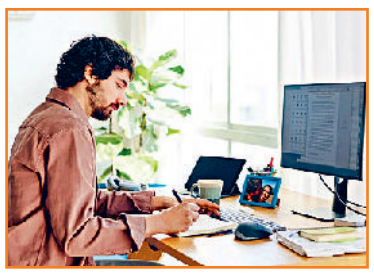

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

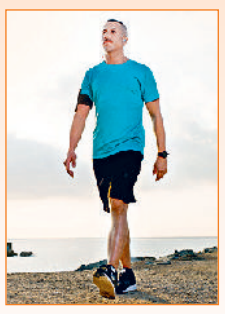

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

हयूमन नेचर

शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

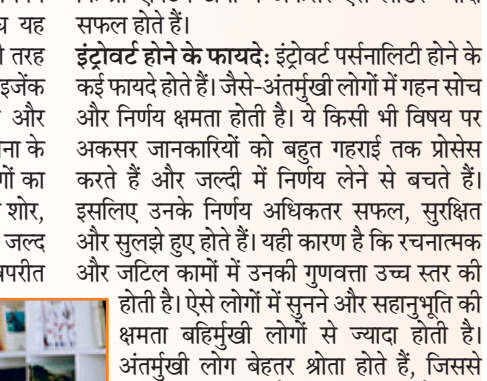

वासंती दोहे

घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की हाट।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, श्रीशैलम

अन्नामलाईयार मंदिर, तिरुवन्नामलाई

मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर, मदुरै

धार्मिक स्थल
शिखर चंद जैन

आज पूरे देश में महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देश भर के शिव-शक्ति मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है। इस मौके पर हम आपको दक्षिण भारत में स्थित कुछ प्राचीन, भव्य और प्रसिद्ध शिव मंदिरों की विशेषताओं के बारे में बता रहे हैं। साथ ही गुजरात में स्थित अनोखे स्तंभेश्वर महादेव मंदिर के बारे में भी बता रहे हैं।

महादेव शिव-पार्वती को समर्पित भव्य-अनोखे-प्रसिद्ध मंदिर

जिस तरह उत्तर भारत में स्थित महाकालेश्वर, काशी विश्वनाथ, नागेश्वर महादेव, वैद्यनाथ आदि शिव मंदिरों के प्रति श्रद्धालुओं में असीम श्रद्धा है। उसी तरह दक्षिण भारत में भी कई अनोखे और भव्य मंदिर स्थित हैं। प्राचीन भारत में चोल, पल्लव और चालुक्य जैसे कई राजवंशों ने लंबे समय तक दक्षिण भारत पर शासन किया। अपने शासनकाल में उन राजाओं ने देवों के देव महादेव भगवान शिव के अत्यंत भव्य मंदिरों का निर्माण कराया। इन मंदिरों की अनोखी वास्तुकला दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करती है। इनमें से कुछ मंदिर देश में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में भी सम्मिलित हैं। ये प्राचीन मंदिर श्रद्धालुओं और शिव भक्तों की आस्था के प्रमुख केंद्र हैं।

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, श्रीशैलम, आंध्र प्रदेशः यह शिव मंदिर आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम नामक छोटे से शहर में कृष्णा नदी के किनारे स्थित है। सातवाहन शासनकाल के इतिहास के अनुसार इस मंदिर का निर्माण काल द्वितीय शताब्दी के आस-पास माना जाता है। बाद में विजय नगर साम्राज्य के राजाओं और छत्रपति शिवाजी महाराज ने इस मंदिर में मंडप सहित कई संरचनाओं का निर्माण करवाया। यह मंदिर नल्लामलाई पहाड़ियों पर स्थित है, जो मंदिर को एक सुंदर पृष्ठभूमि प्रदान करता है। दक्षिण भारत में स्थित मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर की एक और विशेषता यह भी है कि यह देवी सती के 52 शक्ति पीठों में से एक है। यहां भगवान शिव की मल्लिकार्जुन अवतार में और माता पार्वती की भ्रामरंबा रूप में पूजा की जाती है। यहां महाशिवरात्रि, उगादि, कार्तिकाई, श्रवणमहोत्सवम धूमधाम से मनाते हैं।

तट मंदिर, महाबलीपुरम

तट मंदिर, महाबलीपुरम, तमिलनाडुः तट मंदिर दक्षिण भारत के सबसे पुराने संरचनात्मक मंदिरों में से एक है। यह परिसर बंगाल की खाड़ी के तट पर तमिलनाडु के महाबलीपुरम में समुद्र के किनारे स्थित है। इसे अपनी द्रविड़ वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) द्वारा ग्रेनाइट पत्थरों से कराया गया। इसके परिसर में तीन मंदिर हैं, जिनमें से दो भगवान शिव को और एक भगवान विष्णु को समर्पित है। मुख्य मंदिर पूर्व दिशा की ओर इस तरह से निर्मित है, जिससे सूर्योदय की किरणें शिवलिंग तक पहुंच सकें। सन् 1984 में इस मंदिर को महाबलीपुरम में स्मारकों के समूह के हिस्से के रूप में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

अन्नामलैयार मंदिर, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडुः तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई शहर में स्थित अन्नामलैयार मंदिर बहुत प्रसिद्ध शिव मंदिर है। अरुणाचल पहाड़ियों की तलहटी में स्थित होने के कारण इसे अरुणाचलेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। यह पंचभूत स्थलों में से एक है, जहां भगवान शिव अग्नि तत्व के रूप में विराजमान हैं। शिवलिंग को अग्निलिंग भी कहा जाता है और यहां भगवान शिव की पूजा अरुणाचलेश्वर के रूप में की जाती है। अन्नामलैयार मंदिर परिसर भारत के सबसे विशाल मंदिर परिसरों में से एक है। इस मंदिर का 11 मंजिला गोपुरम भारत के सबसे ऊंचे मंदिर गोपुरमों में से एक है, जिसकी ऊंचाई 66 मीटर है। इस मंदिर के मुख्य देवता अरुणाचलेश्वर और अन्नामलाई अम्मन हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह मंदिर अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर, मदुरै, तमिलनाडुः मंदिर नगरी के नाम से विख्यात मदुरै के सबसे भव्य मंदिरों में से एक अरुलमिगु मीनाक्षी अम्मन मंदिर है, जिसे मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर भी कहा जाता है। इस मंदिर की मुख्य देवी मीनाक्षी देवी हैं, जिन्हें देवी पार्वती का दिव्य अवतार माना जाता है। भगवान शिव की पूजा भगवान सुंदरेश्वरार के रूप में की जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह वह स्थान है, जहां सुंदरेश्वरार ने देवी मीनाक्षी से विवाह किया था। सन 1190 से 1205 ईसवी तक शासन करने वाले पांड्य राजा सदावर्मन कुलशेखरन प्रथम ने मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर का निर्माण करवाया था। यह मंदिर अपने गोपुरमों (मंदिर के शिखर), विशाल हॉल, मूर्तियों, नक्काशी और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यह दक्षिण भारत के भव्य मंदिरों में से एक है। *

स्तंभेश्वर महादेव, वड़ोदरा गुजरात

दक्षिण भारत से दूर पश्चिमी राज्य गुजरात में भी एक प्रसिद्ध-विशिष्ट मंदिर स्तंभेश्वर महादेव स्थित है। इसमें एक ऐसा अनोखा शिवलिंग है, जिसका जलाभिषेक स्वयं समुद्र अपने जल से प्रतिदिन दो बार करता है। यह मंदिर अरब सागर में स्थित है और दिन में दो बार समुद्र में डूब कर अदृश्य हो जाता है। समुद्र का खारा जल इस शिवलिंग को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। यह मंदिर गुजरात के भरूच शहर से लगभग 35 किलोमीटर दूर सागर विस्तार के निकट जंबुसबुरता लुकालुका के नजदीक कावि, कंबोई गांव में स्थित है। इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग की ऊंचाई 4 फीट और व्यास 2 फीट है। इस शिवलिंग के चारों ओर तट पर मंदिर का निर्माण सातवीं सदी के आस-पास हुआ था। माना जाता है कि चावड़ी के संतों द्वारा इसका निर्माण करवाया गया था। बाद में इस मंदिर का पुनर्निमाण आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा भी करवाया गया था। शिव महापुराण, स्कंद पुराण जैसे पौराणिक ग्रंथों में भी इस मंदिर के शिवलिंग का उल्लेख मिलता है।

मंदिर के दर्शन तभी संभव हैं, जब समुद्र में ज्वार कम हो और समुद्र का पानी तट से उतरने लगे। इस मंदिर के ओझल होने का कारण समुद्र में उठा ज्वार होता है। ज्वार के कारण पानी के उद्वेग के समय शिवलिंग पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। मंदिर भी सागर की गहरी लहरों में समा जाता है। तब तट से भी मंदिर दिखना बंद हो जाता है। यहां आने वाले शिवभक्तों को प्रतिदिन के दर्शन के समय ज्वार की जानकारी दी जाती है, जिससे ज्वार-भाटे के समय की जानकारी रहने पर उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। स्तंभेश्वर महादेव मंदिर में हर अमावस्या को मेला लगता है। प्रदोष, पूर्णिमा, एकादशी को यहां पूरी रात पूजा-अर्चना होती है। भगवान शिव के इस अद्भुत मंदिर में देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक आते रहते हैं।

- प्रभा पारीक

भारत में भी धूमधाम से मनाते हैं तिब्बती नव वर्ष लोसर फेस्टिवल

पर्व-संस्कृति
अंजू जैन

हम सब पश्चिमी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को और हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र प्रतिपदा को नव वर्ष मनाते ही हैं। इनके अलावा कुछ प्रदेशों में तिब्बती नववर्ष लोसर भी मनाया जाता है। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

सुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा को साकार होते देखने जैसा है तिब्बती नव वर्ष का भारत में धूमधाम से मनाया जाना। आज पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे के खान-पान, पहनावे और त्योहारों को अपना रहे हैं। भारत में पाश्चात्य नव वर्ष मनाया जाना तो बहुत सामान्य बात है लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि हमारे देश में तिब्बती नव वर्ष लोसर को भी धूमधाम से मनाया जाता है।

क्या है लोसर उत्सवः 'लोसर' दो तिब्बती शब्दों से मिलकर बना है, जिसमें 'लो' का अर्थ 'नया' और 'सर' का अर्थ 'वर्ष' होता है, जिसका सामूहिक अर्थ 'नया साल' है। लोसर तिब्बत, नेपाल और भूटान का सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध त्योहार है। हमारे देश में यह मुख्य रूप से सिक्किम, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में तिब्बती बौद्ध समुदाय एवं कुछ स्थानीय जनजातियों द्वारा मनाया जाता है। यह उत्सव जीवन के नवीनीकरण, समृद्धि और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है।

सांस्कृतिक महत्वः लोसर उत्सव को हालांकि 'तिब्बती नव वर्ष' कहा जाता है, लेकिन इसकी जड़ें बौद्ध धर्म के आगमन से भी पुरानी हैं। यह मूलतः 'बोन' परंपरा का हिस्सा था, जहां लोग सर्दियों के अंत में प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए धूप जलाते थे। बाद में, जब बौद्ध धर्म तिब्बत की मुख्य धारा बना, तो यह उत्सव आध्यात्मिक और धार्मिक रंगों में रंग गया। इस वर्ष लोसर 18 फरवरी, बुधवार को मनाया जाएगा। इसका मुख्य उत्सव आमतौर पर तीन दिनों तक चलता है, लेकिन यह त्योहार 15 दिनों तक मनाया जाता है।

साफ-सफाई का महत्वः लोसर में साफ-सफाई का खास महत्व है। सबसे पहले 'लाबा लोसर' मनाया जाता है, जिसमें घरों की पुताई और सफाई की जाती है। सभी पुरानी, अनुपयोगी वस्तुओं को हटा दिया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में अच्छा स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि आती है। इस अवसर पर घरों को सजाया जाता है और नई प्रार्थना पताकाएं फहराई जाती हैं।

विशेष खान-पानः लोसर पर विशेष भोजन जैसे 'खप्से' (तले हुए बिस्कुट) और 'गुथुक' (एक प्रकार का नूडल सूप) तैयार किए जाते हैं। अमावस्या की पूर्व संध्या पर परिवार 'गुथुक' पीते हैं।

तीन दिनों तक विशेष कार्यक्रमः लोसर उत्सव के पहले दिन सूर्योदय से पहले ही मठों में शंखों की आवाज गूंजने लगती है। इस दिन लोग अपने धर्मगुरुओं का आशीर्वाद लेते हैं। देवताओं और आत्माओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, जिसमें घरों में घी के दीये जलाना और बौद्ध धर्मग्रंथों का पाठ करना शामिल है। दलाई लामा और अन्य उच्च लामाओं की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की जाती है। घरों में 'चेमार' (सत्तू और मक्खन का मिश्रण) का भोग लगाया जाता है।

दूसरा दिन 'ग्यालपो लोसर' (राजाओं का दिन) होता है। यह दिन सामुदायिक मिलन का होता है। ऐतिहासिक रूप से यह दिन शासकों और उनके मंत्रियों के बीच संवाद का होता था। आज के संदर्भ में, यह सार्वजनिक समारोहों, नाच-गाने और मेलों का दिन है। लद्दाख और धर्मशाला की सड़कों पर पारंपरिक पोशाक 'चूबा' पहने लोग एक-दूसरे को 'लोसर ताशी देलेक' (नए साल की शुभ मंगलकामनाएं) कहते हैं।

तीसरा दिन 'चो-क्योंग लोसर' (धर्म रक्षकों का दिन) है। इस दिन लोग पहाड़ की चोटियों पर जाकर 'धूप' (सांग) जलाते हैं और प्रार्थना झंडे (लुंगता) फहराते हैं। ये झंडे शांति, करुणा और शक्ति के प्रतीक हैं।

मुखौटा नृत्य (छम): लोसर उत्सव का सबसे रोमांचक पहलू मठों में होने वाला 'छम' या मुखौटा नृत्य है। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। रंगीन रेशमी कपड़े और भयानक दिखने वाले मुखौटे पहनकर लामा नृत्य करते हैं। ड्रम और लंबी झांझों की थाप पर किया जाने वाला यह नृत्य दर्शकों को एक अलग ही आध्यात्मिक दुनिया में ले जाता है। *

फैशन जोन
प्रतिमा अरोड़ा

बदलते मौसम के अनुसार हमारे ड्रेसिंग सेंस में बदलाव होने लगता है। यही वजह है कि इन दिनों यंगस्टर्स शर्ट और जैकेट के कॉम्बो यानी शैकेट पहनना काफी पसंद कर रहे हैं। इसकी क्या है खासियतें और यंगस्टर्स इन्हें क्यों पसंद करते हैं, इस बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

बदलते मौसम में परफेक्ट शैकेट से मिले स्मार्ट लुक

सर्दी का मौसम जैसे-जैसे विदा ले रहा है, मौसम हल्का गर्म होने लगा है, तो फैशन की दुनिया भी करवट ले रही है। भारी कोट, मोटे स्वेटर, अब वार्डरोब या अलमारियों में जाने लगे हैं। इनके स्थान पर हल्के स्टाइलिश और बहुपयोगी शर्ट+जैकेट या शैकेट का क्रेज दिनोंदिन बढ़ने लगा है। शैकेट वास्तव में शर्ट की आरामदेह संरचना और जैकेट की मजबूती का मिश्रण होता है। यह न तो पूरी तरह से शर्ट और न ही पूरी तरह से जैकेट बल्कि दोनों का संतुलित रूप होता है। इसीलिए यंगस्टर्स के बीच यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

इसलिए युवाओं को है पसंदः फरवरी और मार्च का महीना वासंती मौसम के महीने होते हैं। इस दौरान न ज्यादा ठंड और न ही ज्यादा गर्मी होती है। ऐसे समय में शैकेट युवाओं के लिए परफेक्ट विकल्प बनकर आता है। लेयरिंग में आसानी भी एक बड़ा कारण है कि यह तेजी से ट्रेंडी हो रहा है। दरअसल टी-शर्ट, फुलस्लीव शर्ट या पतली हुडी के ऊपर शैकेट पहनकर स्टाइलिश लुक मिल जाता है। इसे पहनने का एक फायदा यह भी है कि यह शरीर पर टाइटनेस के साथ चिपकता नहीं है। शरीर लंबे समय तक इसके साथ कंफर्टेबल रहता है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह यूनिसेक्स अपील रखता है। यह लड़कों और लड़कियों दोनों पर समान रूप से सूट करता है। इसीलिए खासतौर पर कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स को शैकेट बहुत पसंद आ रहा है। इसका फैब्रिक पतला होता है। यह फिट होता है लेकिन बहुत टाइट नहीं होता है। यह ठंड से बचाता है लेकिन बहुत गर्म अहसास नहीं कराता है। इसके बटन और सिलाई काफी मजबूत होती है। इसका वजन हल्का होता है ताकि लेयरिंग को आसान बनाए। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स इन्हें पहनना पसंद करते हैं। शैकेट का ट्रेंड सिर्फ अपने देश में ही नहीं पूरी दुनिया के युवाओं को भा रहा है, क्योंकि अगर फैशन इतिहास को देखें तो शैकेट की जड़ें वर्किंग मैन वियर और मिलिट्री क्लोदिंग से जुड़ी हुई हैं।

बनता है इन फैब्रिक्स सेः शैकेट आमतौर पर कॉटन ट्विल, डेनिम, कॉडरॉय और वूलेन मिश्रित फैब्रिक से बने होते हैं। हल्के वजन वाले कॉटन मिक्स शैकेट इस बदलते मौसम में ज्यादा पसंद किए जाते हैं। अगर थोड़ी ठंड महसूस हो तो वूलेन मिक्स्ड शैकेट आप वियर कर सकते हैं। वैसे तो आपको शैकेट्स में कलर्स की ढेरों वैरायटीज मिल जाएंगी। आप उनमें से अपनी पसंद का कोई कलर सेलेक्ट कर सकते हैं। लेकिन अगर शैकेट में कलर और पैटर्न ट्रेंड की बात करें तो ऑलिव ग्रीन, टैन ब्राउन, चारकोल ग्रे, डेनिम ब्लू कलर के शैकेट्स बहुत अट्रैक्टिव लगते हैं। अब यंगस्टर्स के बीच ब्राइट कलर वाले शैकेट्स के बजाय सॉफ्ट और अर्थी टोन वाले शैकेट्स की मांग ज्यादा बढ़ रही है, क्योंकि ये ज्यादा मैचिंग फ्रेंडली होते हैं। जहां तक शैकेट में ट्रेंडी पैटर्न और डिजाइन की बात है तो चेक्स प्रिंटेड और प्लेड पैटर्न यंगस्टर्स के बीच काफी पसंद किए जाते हैं।

लगातार बढ़ रही है डिमांडः हाल के सालों में बदलते मौसम में बाजार में शैकेट की लगातार मांग बढ़ रही है। क्योंकि कुछ वर्षों में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और लोकल ब्रांड ने अपनी नियमित क्लेक्शन में भी शैकेट को शामिल किया है। फैशन रिटेल से जुड़े जानकारों के मुताबिक यह ट्रांजिशनल वियर यानी बदलते मौसम के समय का फैशन हर साल 15 से 20 फीसदी तक वृद्धि हासिल कर लेता है। इसकी बढ़ती मांग का एक कारण यह है कि यह मीडियम रेंज में उपलब्ध होता है। वियर करने पर बहुत सोबर और एलीगेंट लुक देता है। इसके अगर बजट रेंज की बात करें तो शैकेट 800 से 1500 रुपए में मिल जाता है। मिड रेंज की बात करें तो 1500 से 3000 रुपए के बीच इसका रेंज देखा जा सकता है। जबकि प्रीमियम रेंज की बात करें तो 3000 रुपए से ऊपर आपको फाइन क्वालिटी के शैकेट मिल जाते हैं। इसकी यह रेंज दर्शाती है कि हर वर्ग के यंगस्टर्स के लिए शैकेट्स उपलब्ध हैं। यही कारण है कि अपने देश में इसकी डिमांड बदलते मौसम में बढ़ जाती है। इसकी मांग के पीछे एक कारण सस्टेनेबिल्टी भी है। कई ब्रांड अब रि-साइकिल्ड फैब्रिक और आर्गेनिक कॉटन से शैकेट बना रहे हैं। उससे पर्यावरण पर कम असर पड़ता है और युवावर्ग को यह सोच पसंद आती है कि वे स्टाइल के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां भी पूरी कर रहे हैं।

पर्सनालिटी को देता है नया लुकः शैकेट की एक खासियत यह है कि यह तमाम दूसरे फैशन के साथ मर्ज नहीं हो रहा बल्कि एक अलग से पहचान बनाने में कामयाब है। आज के दौर में यंगस्टर्स फैशन को केवल कोई भी ड्रेस पहनने तक सीमित नहीं मानते बल्कि उससे अपने आराम और प्रभाव की तुलना करते हैं। शैकेट इन दोनों कसौटियों में खरा उतरता है। यही कारण है कि यह युवाओं को पसंद आता है। इनसे उन्हें स्मार्ट लुक मिलता है। *

फिल्म 'विधाता' में दिलीप कुमार-शम्मी कपूर

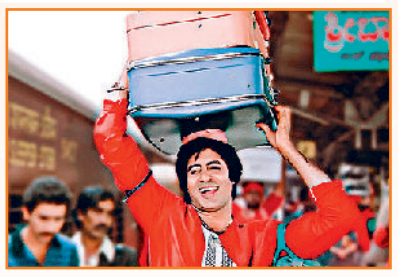
फिल्म 'कुली' के सीन में अमिताभ बच्चन

'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का क्लाइमेक्स सीन

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

रेल में सफर का अलग ही मजा होता है। देश के करोड़ों लोगों की लाइफलाइन से जुड़ी रेलगाड़ी को बॉलीवुड फिल्मों में भी खूब दिखाया जाता रहा है। खास बात यह है कि फिल्मों में ट्रेन वाले सीन और सॉन्ग्स खूब पॉपुलर भी हुए हैं। यहां बात कुछ ऐसी ही फिल्मों की, जिनके टाइटल, सीन या सॉन्ग में ट्रेन मौजूद रही है।

फिल्मों में खूब हुए पॉपुलर ट्रेन बेस्ड सींस-सॉन्ग्स

अपने देश में आज भी अधिकांश लोगों के लिए रेल यात्रा सबसे सुविधाजनक और सस्ती मानी जाती है। यही वजह है कि हिंदी फिल्मों में भी मालगाड़ी से लेकर, यात्री गाड़ी और अत्याधुनिक ट्रेनें भी दिखाई जाती रही हैं। ट्रेन यात्रा से जुड़े दृश्य और गीत मन में अमिट छाप छोड़ते हैं। एंटरटेनमेंट के लिए रेल में रोमांस, रोमांच, रहस्य के अलावा रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, रेल की पटरियां, कुली आदि बहुत कुछ हिंदी फिल्मों में दिखाए जाते रहे हैं।

ट्रेन से जुड़े फिल्मों के नामः बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनके टाइटल ट्रेन या रेलवे के इर्द-गिर्द रखे गए हैं। पुराने जमाने की नायिका नादिया की कई चर्चित फिल्मों के नाम ट्रेन के नाम पर ही रखे गए। उनमें से प्रमुख हैं 'मिस फ्रंटियर मेल'(1936), 'पंजाब मेल'(1939), 'दिल्ली एक्सप्रेस' (1949)। इसी क्रम में 'प्लेटफॉर्म' (1955), '27 डाउन' (1974), 'द ट्रेन' (1971), 'कुली' (1984), 'द बर्निंग ट्रेन' (1980), 'चेन्नई एक्सप्रेस' (2000) जैसी फिल्मों के टाइटल्स से ही पता चलता है कि फिल्म की कहानी रेल के इर्द-गिर्द घूमने वाली होगी।

फिल्मी दृश्यों में ट्रेनः बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनीं, जिनकी शुरुआत में ही रेल दिखाई गई, जैसे- दोस्त (1974)। कुछ फिल्मों का क्लाइमैक्स रेलवे स्टेशन पर फिल्माया गया है, जैसे- 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'(1995)। इसके अलावा शाहरुख खान की कुछ और फिल्मों में भी ट्रेन की अपनी विशेष भूमिका रही है। 'दिल से', 'स्वदेश', 'वीर-जारा', 'रईस', 'पठान', 'जवान' आदि कई फिल्मों में लाजवाब रेल सीन फिल्माए गए हैं।

धर्मेंद्र का रेल कनेक्शनः पिछले वर्ष दिवंगत हुए सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र की शुरुआती फिल्में जैसे-'शोला और शबनम', 'आपकी परछाइयां', 'फूल और पत्थर' से लेकर 'दोस्त' आदि में रेल का रोल इंपॉर्टेंट रहा। दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र ने फिल्मों में आने से पहले कुछ समय तक रेलवे में क्लर्क की नौकरी भी की थी।

ट्रेन में फिल्माए गए कुछ यादगार दृश्यः फिल्मों में ट्रेन के कई ऐसे दृश्य फिल्माए गए हैं, जो यादगार बन गए। 'गांधी' (1982) में एक छोटा सा सीन है, जोकि गांधी जी के जीवन का टर्निंग पॉइंट बना। दक्षिण अफ्रीका में ट्रेन के फर्स्ट क्लास में यात्रा करने के कारण एक अंग्रेज, नाराज होकर, गांधीजी को एक स्टेशन पर सामान समेत डिब्बे के बाहर फेंक देता है। इसके अलावा इसी फिल्म में गांधीजी की ट्रेन से यात्रा के कुछ और सीन भी हैं। 'जब वी मेट' (2007) में फिल्म का नायक मुंबई से ट्रेन में चढ़ता है। रतलाम स्टेशन पर नायिका की ट्रेन छूटती है। आगे दोनों की ट्रेन जर्नी, रेल कर्मियों के साथ उनका वार्तालाप आदि कई रोचक, मनोरंजक दृश्य हैं। 'बड़े मियां, छोटे मियां' (1998) में अमिताभ बच्चन और गोविंदा ट्रेन की बोगी के सभी यात्रियों का सामान, चालाकी से लूट लेते हैं। कई कलाकारों ने फिल्म में रेल कर्मियों के रोल निभाए हैं। 'अजनबी' (1974) में राजेश खन्ना स्टेशन मास्टर बने हैं। 'विधाता' (1982) में दिलीप कुमार और शम्मी कपूर ट्रेन ड्राइवर बने हैं। ओम प्रकाश ने 'जूली' (1975) में ट्रेन ड्राइवर का रोल निभाया है।

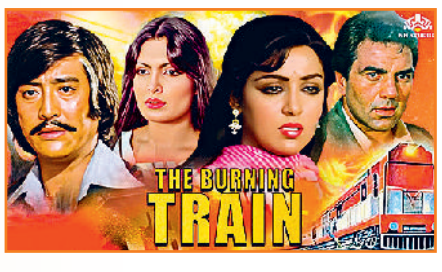

ट्रेन पर आधारित गीतः ट्रेन के भीतर, ट्रेन की छत पर या ट्रेन के इर्द-गिर्द कई फिल्मों के गीत भी फिल्माए गए हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की' ट्रेन में फिल्माए गए फिल्म 'जागृति' (1954) के इस गाने में अध्यापक की भूमिका में अभि भट्टाचार्य, छात्रों को भारत देश के इतिहास से अवगत करवाते हैं। 'आशीर्वाद' (1968) में अशोक कुमार द्वारा गाया और उन्हीं पर फिल्माया रैप सांग 'रेलगाड़ी छुक-छुक-छुक' बॉलीवुड का शुरुआती रैप सॉन्ग है। इसके कई रिमिक्स भी बन चुके हैं। 'दिल से' (1998) में एक नया, अनोखा प्रयोग किया गया था। फिल्म मे 'चल छैंया छैंया' गीत रेल के डिब्बों पर पिक्चराइज किया गया डांस सॉन्ग है। 'दोस्त' (1974) का गीत 'गाड़ी बुला रही है, सीटी बजा रही है...' आज भी लोकप्रिय है। फिल्म 'कुली' (1983) में अमिताभ बच्चन पर फिल्माए गए गीत 'सारी दुनिया का बोझ हम उठाते हैं' में भी ट्रेन और रेलवे प्लेटफॉर्म के दृश्य नजर आते हैं। इन लोकप्रिय गीतों के अलावा भी रेल में हर मूड, सिचुएशन के गानों, दृश्यों की लंबी लिस्ट है। *